दिलदार कन्हैया से नाता जो पुराना है

दिलदार कन्हैया से नाता जो पुराना है,
अंतिम सांसो तक इस रिश्ते को निभाना है,

जब दाव लगाया है क्या बात है डरने की,
मुदत से जो आई है ये रात है मिलने की ,
उस धेनु चराइया से दुःख दर्द सुनाना है
दिलदार कन्हैया से नाता जो पुराना है,

चुका तू अगर मौका धोखा रह जाएगा,
ठोकर मत खा जाना वरना पछतायेगा,
यादें गिरदारी की तेरा माल खजाना है ,
अंतिम सांसो तक इस रिश्ते को निभाना है,

जो उस जीवन धन से वादा कर के आया,
क्यों माया में फस के पगले तू वर माया,
हर कुर्बानी देकर प्रीतम को रिझाना है
अंतिम सांसो तक इस रिश्ते को निभाना है,

शिव श्याम बहादुर का हर दम वो कन्हियाँ है,
पतवार उसे सौंपी घनश्याम खेवइयाँ है,
मिल कर सत्संगत का इक बाग़ लगाना है
अंतिम सांसो तक इस रिश्ते को निभाना है,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/13404/title/dildaar-kanhiyan-se-naata-jo-puaraana-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |